एक नजर में

स्वास्थ्य सेवाओं को परखने किया निरीक्षण

गुना। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और जमीनी हकीकत परखने के लिए आज फतेहगढ़ सेक्टर का औचक निरीक्षण किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी कुमार ने आरबीएसके के मेडिकल ऑफिसर डॉ. चंद्र मोहन चंदेल के साथ फील्ड में पहुंचकर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी ने सीएचओ के माध्यम से क्षेत्र की नई गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण सुनिश्चित कराया। फील्ड भ्रमण के दौरान कुछ हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान की गई, जिन्हें त्वरित और बेहतर उपचार के लिए 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बमोरी भेजा गया।

पटरी पार कर रहे युवक की ट्रेन से कटकर मौत

गुना। शहर के कुशमौदा क्षेत्र में सोमवार शाम हुए एक हृदयविदारक हादसो में ट्रेन की चपेट में आने से एक 75 वर्षीय बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रेमनारायण कलावत के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रेमनारायण सोमवार शाम करीब 7 बजकर 30 मिनट बजे कुशमौदा के पास रेलवे पटरियों की ओर शौच के लिए गए थे। अंधेरा होने और ट्रेन की गति का अंदाजा न लग पाने के कारण वे उसकी चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि बुजुर्ग का शव पटरियों पर बुरी तरह बिखर गया। परिजनों के मुताबिक, प्रेमनारायण अक्सर रोजाना की दिनचर्या के तहत उसी क्षेत्र में पटरियों के पास जाया करते थे। सोमवार शाम भी वे घर से निकले थे, कुछ देर बाद पटरियों के आसपास घूम रहे बच्चों ने मोहल्ले में सूचना दी।

पुलिस द्वारा मौके पर एंबुलेंस बुलाई गई, जिसके जरिए शव को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

बीमारी से जूझ रहे पीड़ितों के परिजनों को मिला कलेक्टर का साथ

हृदय रोग से पीड़ित वंदना की मां से कहा-मैं दूंगा पहले इंजेक्शन का पैसा, लोगों से भी कराएंगे सहायता

नवभारत न्यूज

गुना 12 मई का। कलेक्ट्रेट में मंगलवार की जनसुनवाई उस समय भावुक क्षणों की गवाह बनी, जब अपनी बेटी और परिजनों के जीवन बचाने की गुहार लेकर पहुंचे पीड़ितों को कलेक्टर ने न केवल ढांढस बंधाया, बल्कि तत्काल आर्थिक मदद की घोषणा कर उनकी उम्मीदों को नई रोशनी दी है।

दरअसल, गुलाबगंज कैंट निवासी शीला साहू अपनी बेटी वंदना साहू के इलाज के लिए गुहार लगाने पहुंची थीं। वंदना के दिल में छेद है और अब उसे एक जटिल ऑपरेशन और महंगे इलाज की जरूरत है। मां शीला ने बताया कि बेटी की शादी में लाखों खर्च करने के बाद उसकी बीमारी में भी अब तक 10 लाख रुपये लग चुके हैं। हालत यह हुई कि इलाज के लिए उन्हें अपना मकान तक बेचना पड़ा। दुखद पहलू यह रहा कि बीमारी के चलते ससुराल वालों ने भी वंदना को मायके छोड़ दिया। शीला ने रोते हुए बताया कि अब वंदना को बेहद महंगे इंजेक्शन लगने हैं, जिसमें एक इंजेक्शन की कीमत 75 हजार रुपये है। महिला की बेबसी देख कलेक्टर भावुक हो उठे। उन्होंने मां को ढांढस बंधाया और बड़ी घोषणा करते हुए कहा आप चिंता न करें, बेटी का इलाज होगा। पहले इंजेक्शन का खर्च मैं स्वयं उठाऊंगा। उन्होंने समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों से भी शीला साहू की मदद करने करने का आग्रह किया है। जनसुनवाई में आए दो मामलों में कलेक्टर के त्वरित निर्णय और व्यक्तिगत संवेदनशीलता की हर तरफ सराहना हो रही है। पीड़ितों ने हाथ जोड़कर प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ऐसे गंभीर बीमारियों के मामलों में कागजी कार्रवाई में देरी न की जाए और मरीजों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराया जाए। उन्होंने जनसुनवाई कक्ष में ही लोगों को स्वस्थ रहने के कुछ टिप्स भी दिए।

जनसुनवाई में सुनीं 288 फरियादियों की समस्याएं

मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान जिले भर से आए नागरिकों ने सीमांकन, बिजली, पेंशन, नगरपालिका, स्वास्थ्य और नामांतरण से संबंधित कुल 288 आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने इस बात पर जोर दिया कि अधिक से अधिक लोगों को आधार और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिले, जिसके लिए विशेष प्रबंध करने के निर्देश दिए गए। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिकों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई, जिनमें 70 वर्ष से अधिक आयु वालों के आयुष्मान कार्ड बनाना, नेत्र परीक्षण और एचआईवी जांच शामिल रही। साथ ही, आवेदकों को नि:शुल्क कानूनी सहायता भी प्रदान की गई। बड़ी संख्या में नागरिकों ने इन सुविधाओं का लाभ उठाया और अपने आवेदनों के निराकरण के लिए शासन के समक्ष अपनी बात रखी।

हेमलता को तुरंत दिए 10 हजार, फल खाने की सलाह

वहीं एक अन्य मार्मिक आवेदन राघौगढ़ तहसील के ग्राम गोविंदपुरा निवासी प्रेम सिंह जाटव ने दिया। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी हेमलता जाटव साल 2023 से गंभीर हृदय रोग से जूझ रही हैं। प्रेम सिंह ने बताया कि आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद दवाइयों और अन्य जांचों पर अब तक हजारों रुपये खर्च हो चुके हैं। आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर है कि आगे का इलाज कराना अब उनके बस से बाहर होता जा रहा है। कलेक्टर ने प्रेम सिंह की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही तत्कालिक आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की और आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इलाज में शासन स्तर पर कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। कलेक्टर ने हीग्लोबीन बढ़ाने के उपायों पर जोर देते हुए हेमलता से कहा कि वे सेव और अनार खाएं।

पार्क में गंदगी के बीच योग करने मजबूर महिलाएं

गुना। नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 20 में गुर्जर कॉलोनी के पार्क की बदहाली को लेकर आज क्षेत्र की महिलाओं ने कलेक्टर से गुहार लगाई है। पार्क में व्याप्त गंदगी और सुविधाओं के अभाव से परेशान होकर बड़ी संख्या में महिलाएं कलेक्ट्रेट पहुंचीं और जनसुनवाई में अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन दिया है।

रहवासियों के अनुसार, पार्क में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं, जिससे आसपास के वातावरण में दुर्गंध फैल रही है। इस पार्क का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यहां रोजाना सुबह निशुल्क योग कक्षा लगाई जाती है, जिसमें क्षेत्र की दर्जनों महिलाएं स्वास्थ्य लाभ लेने पहुंचती हैं। गंदगी के कारण अब योग करना भी दूभर हो गया है। योग शिक्षिका विद्यादेवी ओझा के नेतृत्व में पहुंची महिलाओं ने आवेदन देते हुए बताया कि पार्क में संसाधनों का सर्वथा अभाव है। योग करने वाली महिलाओं ने मांग की है कि पार्क की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। योग करने के लिए एक टीनशेड का निर्माण कराया जाए ताकि बारिश और धूप में भी कक्षाएं जारी रह सकें। ऊबड़-खाबड़ जमीन की जगह फर्श लगवाने की मांग भी की गई है। जनसुनवाई में आवेदन देते समय महिलाओं ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि वार्ड क्रमांक 20 के इस सार्वजनिक पार्क की देखरेख की जिम्मेदारी नगरपालिका की है, लेकिन बार-बार ध्यान आकर्षित कराने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। कलेक्टर ने महिलाओं की बात सुनकर संबंधित अधिकारियों को पार्क का निरीक्षण करने और आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाने के निर्देश दिए हैं।

सागर से मोतीपुरा जा रही मालगाड़ी के डिब्बे में लगी आग

नवभारत न्यूज

गुना। सागर से मोतीपुरा की ओर जा रही कोयले से भरी मालगाड़ी क्रमांक 38122 के एक डिब्बे में अचानक आग लग गई। घटना सुबह लगभग बजे की है, जब ट्रेन प्लेटफार्म नंबर तीन पर खड़ी थी, तभी इंजन से 8-10 डिब्बे छोड़कर पीछे की तरफ एक वैगन से धुएं के साथ आग की लपटें उठती देख हड़कंप मच गया। धुआं देखते ही रेलवे स्टाफ और सुरक्षा बलों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आनन-फानन में फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, लेकिन मौके पर पहुँची दमकल की टीम को काफी देर तक बेबस खड़े रहना पड़ा। दरअसल, रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजर रही हाई-वोल्टेज विद्युत लाइनों के कारण खतरा बना हुआ था, जिसके चलते बिजली सप्लाई बंद होने के इंतजार में दमकलकर्मी तुरंत कार्यवाही शुरू नहीं कर पाए। इस दौरान काफी देर तक कोयले के ढेर से धुआं उठता रहा। इस घटना के कारण गुना स्टेशन का रेल यातायात भी प्रभावित हुआ। मालगाड़ी करीब 3 से 4 घंटे तक प्लेटफार्म नंबर तीन पर ही खड़ी रही, जिसके चलते स्टेशन से गुजरने वाली अन्य ट्रेनों को प्लेटफार्म नंबर एक और दो से निकालना पड़ा। गनीमत यह रही कि रेलवे अधिकारियों ने समय रहते स्थिति का जायजा लेकर मोर्चा संभाल लिया, जिससे आग विकराल रूप नहीं ले पाई और एक बड़ी अनहोनी टल गई। फिलहाल रेलवे प्रबंधन आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटा है कि आखिर चलते सफर में कोयले के डिब्बे में आग कैसे भड़की।

गुना जिले के 469 बच्चों को मिला गंभीर बीमारियों से नि :शुल्क छुटकारा

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निदेर्शानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम ने जिले के बच्चों के लिए जीवनदायिनी भूमिका निभाई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले की आरबीएसके टीमों ने सीमित संसाधनों के बावजूद उत्कृष्ट कार्य करते हुए करीब 1,73,584 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक विनीता सोनी के अनुसार, परीक्षण के दौरान करीब 50 हजार बच्चों में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं पाई गईं, जिन्हें आवश्यक उपचार और परामर्श दिया गया। सबसे बड़ी सफलता उन 103 बच्चों के रूप में रही जो हृदय रोग, जन्मजात श्रवण दोष, स्पाइना बिफिडा और जन्मजात मोतियाबिंद जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। शासन ने इन बच्चों का इंदौर, भोपाल और मुंबई के प्रतिष्ठित निजी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में करीब 55 लाख रुपये के व्यय पर नि:शुल्क ऑपरेशन करवाया। इसके अतिरिक्त, कटे-फटे होंठ, टेढ़े-मेढ़े पैर, हर्निया और डेंटल जैसी जन्मजात विकृतियों से ग्रसित 300 बच्चों का सफल ऑपरेशन जिला चिकित्सालय, एनजीओ और आयुष्मान भारत योजना के सहयोग से कराया गया। इस प्रकार कुल 469 बच्चों को गंभीर बीमारियों और विकृतियों से मुक्त कर उन्हें नया जीवन प्रदान किया गया।

बिना आयुष्मान कार्ड के भी नि:शुल्क उपचार

इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चों को चिन्हित बीमारियों के लिए आयुष्मान कार्ड की अनिवार्यता के बिना भी पूर्णत: नि:शुल्क उपचार मिलता है। जिले में केवल 13 आयुष मेडिकल ऑफिसर 12 टीमों की जिम्मेदारी संभालते हुए पूरे समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। इस अभियान में डॉ. रवि सोनी, डॉ. लोकेंद्र कुशवाह, डॉ. प्रमिला श्रीवास्तव, डॉ. नीरज रघुवंशी, डॉ. नीरज भदौरिया, डॉ. अमित जायसवाल, रिंकू निगवाल, डॉ. निकिता सोनी और डॉ. अरुण रघुवंशी जैसे चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

घायल को सड़क पर छोड़ जाना दुर्भाग्यपूर्ण, कार्रवाई करें : एसपी

पत्र क्रमांक : 1884

जयवर्द्धन सिंह
विधायक, राघौगढ़

दिनांक : 12/05/26

प्रति,
पुलिस अधीक्षक,
जिला गुना (म.प्र.)

विषय: राघौगढ़ थाना क्षेत्र में भरसूला चौराहे पर सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु एवं दोषियों पर कार्यवाही बाबत।

महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि दिनांक 10 मई 2026, रविवार को रात्रि लगभग 8 बजे वार्ड क्रमांक 05, राघौगढ़ निवासी श्री जितेंद्र रैकवार पुत्र श्री भगत सिंह रैकवार की भरसूला चौराहा पर एक तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से हुई सड़क दुर्घटना में दुखद मृत्यु हो गई।

समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उक्त वाहन पुलिस विभाग का बताया जा रहा है। दुर्घटना के पश्चात वाहन चालक एवं उसमें सवार अन्य पुलिसकर्मियों द्वारा घटनास्थल पर रुककर घायल श्री जितेंद्र रैकवार को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने, एम्बुलेंस बुलाने अथवा उनके परिजनों को सूचना देने के बजाय मौके से किसी आरोपी की तरह "हिट एंड रन" की तर्ज पर मौके से फरार हो जाना अत्यंत गंभीर एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना से पीड़ित परिवार, राघौगढ़ क्षेत्र की जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है।

पुलिस विभाग का मूल उद्देश्य आमजन की सुरक्षा एवं सहायता करना है। ऐसे में पुलिस वाहन से इस प्रकार की घटना होना तथा घायल व्यक्ति को असहाय अवस्था में छोड़कर चले जाना न केवल मानवीय संवेदनाओं के विपरीत है बल्कि इससे आमजन के मन में पुलिस प्रशासन के प्रति अविश्वास की भावना भी उत्पन्न होती है।

अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि उक्त गंभीर प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषी वाहन चालक एवं संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर एवं न्यायोचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा राशि एवं सहायता प्रदान करने की जाए ताकि शोकाकुल परिजनों को न्याय प्राप्त हो सके।

अतः आपसे आग्रह है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र न्यायोचित कार्यवाही कर अवगत कराने का कष्ट करें।

(जयवर्द्धन सिंह)

डी-21, चार इमली, भोपाल (म.प्र.) - 462016. फोन : 0755-3576267

गुना। राघौगढ़ क्षेत्र के भरसूला चौराहे पर 10 मई की रात लगभग 8 बजे हुई सड़क दुर्घटना और घटनाक्रम के दौरान पुलिस के रवैये को विधायक जयवर्धन सिंह ने दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया है। पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए जयवर्धन सिंह ने कहा कि इस घटना ने पुलिस अविश्वास पैदा किया है, साथ ही एक भरा-पूरा परिवार उजड़ गया। हादसे ने मुझे व्यक्तिगत रूप से आघात पहुंचाया है। जयवर्धन सिंह ने घटनाक्रम के दौरान जान गंवाने वाले जितेंद्र रैकवार के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए एसपी हितिका वासल को पत्र भी लिखा है। उन्होंने कहा है कि दुर्घटना के बाद वाहन चालक एवं उसमें सवार अन्य पुलिसकर्मियों द्वारा घटनास्थल पर रुककर घायल जितेंद्र रैकवार को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने, एंबुलेंस बुलाने अथवा उनके परिजनों को सूचना देने के बजाए मौके से किसी आरोपी की तरह हिट एंड रन की तर्ज पर फरार हो जाना अत्यंत गंभीर एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना से पीड़ित परिवार और संपूर्ण राघौगढ़ की जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने एसपी से निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कर दोषी वाहन चालक एवं संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई कराने और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा राशि एवं सहायता प्रदान करवाने की मांग की है। गौरतलब है कि 10 मई की रात 8 बजे मुंबई में रिलायंस कंपनी में कार्यरत इंजीनियर जितेंद्र रैकवार को उस समय वाहन ने टक्कर मार दी थी, जब वे अपने परिवार से मिलने गृह नगर राघौगढ़ आए थे।

तीन महीने से लिव-इन में रहता था युवक फिर मिली लाश

गुना। गुना में सोमवार को गुलाबगंज स्थित चौरसिया कॉलोनी के पास रेलवे पटरियों पर मिले 22 वर्षीय युवक के शव के मामले में सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। मृतक की शिनाख्त ईदगाह बाड़ी निवासी जुबेर खान पिता आजाद खान के रूप में हुई है।

जानकारी सामने आई है कि मृतक जुबेर एक युवती के साथ तीन महीनों से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे दोनों घर से घूमने के लिए निकले थे, जिसके कुछ ही देर बाद जुबेर का शव पटरियों पर मिला। मृतक के परिजनों का दावा है कि उसके साथ रहने वाली युवती ने खुद उन्हें बताया है कि जुबेर की हत्या उसके परिवारजनों ने की है। जुबेर की मां ने सीधे तौर पर युवती के पिता सहित 3-4 लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि युवती के पिता ने करीब 6 दिन पहले जुबेर के घर आकर तोड़फोड़ और मारपीट की थी। परिजनों का आरोप है कि वे सोमवार से ही कोतवाली और कैंट थाने के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन पुलिस उनकी शिकायत दर्ज करने के बजाय उन्हें जिला अस्पताल जाकर शव लेने की सलाह दे रही है। मृतक का परिवार अब दहशत में है और पुलिस से सुरक्षा व न्याय की गुहार लगा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच एक नया मोड़ तब आया जब वह युवती जुबेर के घर पहुंच गई।

नगर पालिका अध्यक्ष ने लिया साध्वी प्रियंका भारती से आशीर्वाद

गुना। शिक्षा विभाग परिसर के पीछे स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित भव्य श्रीराम कथा के आठवें दिन आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित नगर पालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने व्यास पीठ पर विराजमान कथा वाचिका साध्वी प्रियंका भारती का पुष्प वर्षा कर आत्मीय स्वागत किया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर उन्होंने कथा के सफल आयोजन और आगामी निर्धन कन्याओं के विवाह हेतु 51 हजार रुपये की नकद राशि भेंट की। साथ ही, उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टेबल फैन और भोजन व्यवस्था हेतु तेल का योगदान भी दिया। अंत में नगर पालिका अध्यक्ष ने विधि-विधान से भगवान श्रीराम की महाआरती की। कथा के आठवें दिन साध्वी प्रियंका भारती ने भगवान श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता, बाली वध और सुंदरकांड के प्रसंगों का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रीराम के जीवन से त्याग, प्रेम और करुणा की प्रेरणा मिलती है। हनुमान जी का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने बताया कि जीवन में परिस्थिति के अनुसार निर्णय लेना और गुरुजनों का सम्मान करना ही सच्ची शिक्षा है। मनकामेश्वर समिति के सदस्यों ने बताया कि कथा के समापन अवसर पर 14 मई को निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह (पाणिग्रहण संस्कार) संपन्न होगा। इस पुनीत कार्य के लिए शहर के अनेक दानदाताओं और संस्थाओं द्वारा गुप्त दान, सामग्री और धन राशि भेंट की जा रही है। समिति ने शहरवासियों से अपील की है कि वे शेष दो दिनों की कथा का रसपान करें और कन्यादान जैसे महायज्ञ में सम्मिलित होकर धर्म लाभ उठाएं। आयोजन स्थल पर देर रात तक जय श्रीराम के जयघोष गूंजते रहे।

निर्वाचन ▶ **वंदना शर्मा ने किया पहला मतदान**

राघौगढ़ में स्टेट बार काउंसिल के चुनाव संपन्न

नवभारत न्यूज

राघौगढ़/मधुसूदनगढ़। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद (स्टेट बार काउंसिल) के सदस्यों के चुनाव हेतु मंगलवार को राघौगढ़ में मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। मतदान के लिए अधिवक्ता संघ भवन के प्रथम तल पर मतदान केंद्र बनाया गया था, जहाँ सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान राघौगढ़ बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। कुल 90 पंजीकृत मतदाताओं में से 69 अधिवक्ताओं ने वोट डाले, जिनमें 61 पुरुष और 8 महिला अधिवक्ता शामिल थीं। इस चुनाव में मधुसूदनगढ़ तहसील के करीब 11 अधिवक्ताओं ने भी राघौगढ़ पहुंचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया। इस मतदान की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि कुमारी वंदना शर्मा ने स्टेट बार काउंसिल के चुनाव में राघौगढ़ केंद्र से सबसे पहला वोट डालकर एक नई मिसाल पेश की, जिसे लेकर साथी अधिवक्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया। पूरी चुनाव प्रक्रिया निर्वाचन अधिकारी न्यायाधीश संजीव पीपलिया की प्रत्यक्ष निगरानी में संपन्न हुई। मतदान के दौरान सुरक्षा और पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा गया, जहाँ मतदाताओं की पहचान उनके परिचय पत्र के माध्यम से सुनिश्चित की गई। शाम 5 बजे तक केंद्र पर उपस्थित सभी पात्र मतदाताओं को वोट डालने का अवसर दिया गया।

सुचारू प्रशासनिक व्यवस्था के चलते मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति नहीं बनी और चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

गुना में 504 अधिवक्ताओं ने किया मतदान

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद (स्टेट बार काउंसिल) के सदस्यों के निर्वाचन हेतु मंगलवार को गुना जिला मुख्यालय पर मतदान की प्रक्रिया बेहद उत्साहजनक और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। पूरे प्रदेश में परिषद की 25 सीटों के लिए हो रहे इस चुनाव में इस बार 122 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला करने के लिए जिले के वकीलों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गुना में मतदान के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। गुना न्यायालय परिसर स्थित शूटर कक्ष के प्रथम तल (फर्स्ट फ्लोर) पर मतदान केंद्र बनाया गया था। मतदान प्रक्रिया को सुचारू और त्वरित बनाने के लिए केंद्र के भीतर एक साथ 12 मतदाताओं के वोट डालने की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे अधिवक्ताओं को लंबे समय तक कतार में प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान गुना में कुल 504 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस पूरी चुनावी प्रक्रिया का सफल संचालन निर्वाचन अधिकारी और माननीय विशेष न्यायाधीश आरके जैन के नेतृत्व में हुआ। उनके निर्देशन में की गई शानदार व्यवस्थाओं के कारण दिन भर मतदान केंद्र पर व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित बनी रहीं।

एसपी ने जनसुनवाई में सुनीं आमजन की समस्याएं

गुना। जनसुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर, डीएसपी मुख्यालय जमीलउद्दीन सिद्दीकी, एसडीओपी गुना विवेक अष्ठाना, एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे, एसडीओपी चाचौड़ा मनोज कुमार झा, डीएसपी आनंद राय सहित विभिन्न थानों के प्रभारी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने मौके पर मौजूद राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष और एक निश्चित समयावधि के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक प्रकरण में जवाबदेही तय करते हुए विधिवत कार्रवाई की जाए ताकि नागरिकों को समय पर न्याय मिल सके। जनसुनवाई में कोतवाली टीआई राजकुमार शर्मा, कैंट टीआई अनूप कुमार भार्गव, म्याना टीआई बृजमोहन सिंह भदौरिया, आरोन टीआई रविन्द्र सिंह सिकरवार और महिला थाने से उपनिरीक्षक मोना राय सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

बड़ोद में कल लगेगा विद्युत शिविर

कुंभराज। बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए ग्राम बड़ोद में कल, 14 मई 2026 को एक विशेष विद्युत कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। विद्युत कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस कैंप में बड़ोद सहित आसपास के सभी गाँवों के उपभोक्ता अपनी बिजली से जुड़ी शिकायतें लेकर पहुँच सकते हैं। शिविर का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके घर के समीप ही विभागीय सेवाएँ उपलब्ध कराना है। इस दौरान बिल सुधार, नए कनेक्शन, मीटर संबंधी शिकायतों और बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे शिविर का लाभ उठाएं।